प्रतिक्रियाएं / **Feedback**

विज्ञान प्रकाश पत्रिका के द्वारा हिन्दी में शोध पत्रों के प्रकाशन को अंग्रेजी भाषा के शोध पत्रों के बराबर महत्व प्रदान करने हेतु हार्दिक आभार ।

विज्ञान प्रकाश पत्रिका द्वारा वृहत् एवं त्वरित समीक्षा प्रक्रिया के माध्यम से शोध आलेखों की गुणवत्ता को जाना तथा न्यूनतम संभव समय में आलेखों का प्रकाशन सुनिश्चित किया जाना इसकी प्रमुख विशेषता लगी ।

-Pankaj Jakhar (Research Scholar), Indian Institute of Technology, Jodhpur
Jakhar.2@iitj.ac.in

मैं राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के दृष्टिकोण के अनुरूप प्रतिष्ठित यूजीसी केयर पत्रिका "विज्ञान प्रकाश" में "क्लस्टर आकार और डेटासेट में परिवर्तन करके बायोडाटा वर्गीकरण पर के–मीन्स और रैंडम फॉरेस्ट का प्रभाव विश्लेषण" शीर्षक से अपना शोध लेख प्रकाशित करने के अवसर के लिए अपना हार्दिक आभार व्यक्त करने के लिए लिख रहा हूं। जो भारतीय भाषाओं के प्रचार और विकास पर महत्वपूर्ण महत्व देता है। मैं हिंदी में वैज्ञानिक अनुसंधान और विद्वतापूर्ण संचार को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के लिए "विज्ञान प्रकाश" की सराहना करता हूं, जिससे एनईपी 2020 में उल्लिखित व्यापक लक्ष्यों में योगदान मिलता है। एनईपी शिक्षा और अनुसंधान में शिक्षा और संचार के माध्यम के रूप में हिंदी सहित क्षेत्रीय भाषाओं को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर देती है। निर्बाध प्रकाशन प्रक्रिया और सहकर्मी–समीक्षा चरण के दौरान प्राप्त रचनात्मक प्रतिक्रिया वैज्ञानिक साहित्य में उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए पत्रिका के समर्पण का संकेत है। मैं एनईपी 2020 द्वारा निर्धारित सिद्धांतों का पालन करने में संपादकीय टीम के प्रयासों की सराहना करता हूं, जो एक मजबूत और समावेशी शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में स्वदेशी भाषाओं के महत्व को पहचानता है। शोधकर्ताओं को हिंदी में योगदान देने के लिए एक मंच प्रदान करके, "विज्ञान प्रकाश" न केवल एनईपी 2020 के लक्ष्यों का समर्थन करता है, बल्कि अकादमिक प्रवचन में भाषाई विविधता के कारण को आगे बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मुझे विश्वास है कि "विज्ञान प्रकाश" में मेरा प्रकाशित लेख न केवल वैज्ञानिक ज्ञान की उन्नति में योगदान देगा, बल्कि एनईपी 2020 की व्यापक पहल के साथ भी संरेखित होगा। अनुसंधान और शिक्षा में भारतीय भाषाओं के उपयोग पर जोर अधिक समावेशी और सांस्कृतिक रूप से निहित शैक्षणिक परिदृश्य के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एक बार फिर, मैं हिंदी में वैज्ञानिक साहित्य को बढ़ावा देने के प्रति समर्पण और एनईपी 2020 में उल्लिखित परिवर्तनकारी दृष्टिकोण के अनुरूप एक मंच प्रदान करने के लिए संपादकीय टीम की सराहना करता हूं। विद्वान समुदाय के लिए "विज्ञान प्रकाश" के अमूल्य योगदान और एनईपी 2020 की आकांक्षाओं के साथ जुड़ने के लिए धन्यवाद।

-Dr. Vinayak D. Shinde, Shree L. R. Tiwari College of Engineering, Thane, Maharashtra,
vdshinde@gmail.com

मैं समीक्षकों तथा सम्पूर्ण विज्ञान प्रकाश शोध पत्रिका से जुड़े हुए सभी सदस्यों को शोध पत्र के प्रकाशन में मिले बहुमूल्य सुझावों तथा मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करता हूँ। उनका प्रोत्साहन एवं निर्देशन निस्संदेह मुझे भविष्य में क्षेत्रीय भाषा में शोध पत्र लिखने के लिए प्रेरित करेगा।

-Dr. G. C. Chikute, AISSMS College of Engineering, Pune chikute.ganesh@gmail.com

---

Vision: High-Tech research to reach out widely promoting inclusive innovation and entrepreneurship

Mission: Publication of quality research articles in Hindi in Sciences (Physics, Chemistry, Mathematics, Bio-science, Medical Science, AYUSH, Management Science, Agriculture and Environment), Engineering and Technology, and promoting creative ideas for innovation, incubation and entrepreneurship.

Submission: Title, author affiliation, abstract and keywords be in both Hindi and English, and references as they are originally referred to. Overview articles and research papers must be **original without plagiarism**. Authors need to mention three or more subject experts also from different institutions to review the submitted article. Articles may be submitted to Editor@VigyanPrakash.in